BHARATI VIDYAPEETH (Deemed to be University)

POONA COLLEGE OF PHARMACY

Erandwane, Pune - 411038

Accredited by NBA (6 yrs.), NACC (A+ GRADE), ISO Certified, NIRF (22 Rank 2020)

CAPSULE 2020-21
(Issue 4)

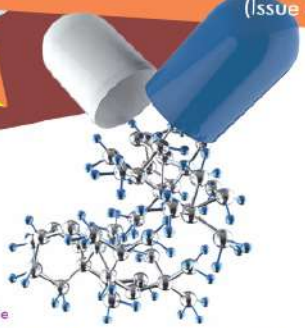

Editorial Team Dr. Atmaram Pawar, Principal | Dr. Ravindra Kamble, In-house Publication Incharge | Dr. Deepa Mandlik, Editor & Capsule Magazine Incharge

Student Editorial Team Ms. Narayani Mahule (B.Pharm) | Mr. Madhav Gandhi (B.Pharm) | Ms. Shreya Sonak (M.Pharm) | Mr. Raj Soni (M.Pharm)

Paintings

Dhanashri Chaudhari
M.Pharm First Year

Dhanashri Chaudhari
M.Pharm First Year

Dhanashri Chaudhari
M.Pharm First Year

Shubham Mandale
M.Pharm First Year

Shubham Mandale
M.Pharm First Year

Shubham Mandale
M.Pharm First Year

Dhanashri Chaudhari
M.Pharm First Year

Shubham Mandale
M.Pharm First Year

Vishaka Mogre
B.Pharm First Year

Article

Yesterday, Today & Tomorrow

There are two days in every week about which we should not worry. Two days which should be kept free from fear & apprehension

One of these days is yesterday with its mistakes & cares, its faults & blunders, its aches & pains.

Yesterday has passed forever beyond our control. All the money in the world cannot bring back yesterday.

We cannot undo a single word we said. Yesterday is gone.

The other day we should not worry about is tomorrow
With its possible adversities, its burdens,
Its large promise & poor performance.
Tomorrow is also beyond our immediate control
Tomorrow's Sun will rise, either in splendor or
behind a mask of clouds, but it will rise.
Until it does, we have no stake in tomorrow, for it is yet unborn
This just leaves only one day ..... Today.
Any person can fight the battles of just one day.
It is only when you & I add the burdens of those two awful
eternity's yesterday & tomorrow that we break down.
It is not the experience of today that drives people mad
It is the remorse or bitterness
for something which happened yesterday &
the dread of what tomorrow may bring.
Let us therefore live but one day at a time.

Tejaswani Shinde
S.Y. B. Pharm

Poetry

मेरे पापा

पापा आप बहुत झूठे हो, हसी भी नकली हंसते हो चाहे जमाने से रूठे हो
पैसे है नहीं, पर मुझे देने के लिए हर दर्द से टूटे हो
पापा आप बहुत झूठे हो
हर ख्वाब मेरा है, साथ अगर जो तेरा है
किसी चोट का भी दर्द नहीं, हाथ अगर जो तेरा है
इस धमकी पे तो जमाने से लड़ जाऊंगा -(2)
डर नहीं मौत का भी मुझको क्युकी जिंदा बाप अभी मेरा है
सपने देखे मैंने और आंखों में ही रह गए
हकीकत कर उनको पापा आप कितने दुखों को सह गए
पढ़ाना, लिखाना, साइकिल सीखाना दुनियादारी के तेरे कितने काम कर चले गए
दौलत, इज्जत, पैसा, शोहरत हंसते-हंसते तेरे नाम कर चले गए
और तू कहता है कि किया ही क्या आपने..? -(2)
तेरे नाम के आगे नाम लगाकर, खुद का नाम तक बदनाम कर चले गए..
पढाई के लिए मेरी खुद पर कर्ज का बोझ तक कर लिया
काम की आग में झुलस कर शरीर को बर्बाद तक कर लिया
हंसते-हंसते फिर भी कह गये, कोई नहीं.... इन सब का क्या गम -(2)
मेरे दर्द के सहारे ही सही अपने बेटे को आबाद तो कर लिया
झूठ बोलकर धोखा देना उनको पाप होता है - (2)
फिर भी बदले में जो इज्जत दे जाए, वही बाप होता है
गर्मी से भयंकर चाहे खुद के पसीने छूटे हो
पर देख, AC मेरे रूम में लगाकर कितनी खुशी से सोते हो
पापा आप बहुत झूठे हो..

✍राज सोनी✍

तेरी आँख से निकले हर आँसू का किनारा बन जाऊ..
कदम लड़खड़ा जाएं जब कभी, तो तेरा सहारा बन जाऊं..
और मेरे खुदा इतनी रहमत करना मुझ पर
मेरे खुदा इतनी रहमत करना मुझ पर....
कि जन्नत में मेरी माँ चाँद और मैं उसकी छांव में
चमकता इक सितारा बन जाऊं...

– ✍RAJ SONI✍

प्रेम स्वप्नातिल राजाची राणी
मनात अवतरली जणुं नक्षत्र चांदणी.......
तिच्या सौंदर्याचा वर्णु काय देखावा.
नयनकटाक्ष हृदय भेदुनी जावा.......
गुलाबी गालावर पडलेली नाजुक खळी,
सौंदर्यौन्नती करते ओठांची लाली.....
तव नेत्रसागरात वाटते पुर्णपणे बुडावे.
तुजवरील प्रेम हे पुनःश्च जडावे......
कृष्णवर्णिय केसांवर बहर चढला फुलांचा .
तव रुप चित्ती स्मरता,ठोका चुकला हृदयाचा.......
तुझा स्पर्श भ्रम नसावा वाटते या मनाला.
प्रेमवर्षाव केव्हातरी सुखवेल का चातकाला......
सौंदर्य रचिता भुरळ पडली जिवाला .
तुझे रुप पाहून नभोतिरी निशापति तो लाजला.....

कवी-राहुल

just FUN

Dr !My This Pain In Stomach, Comes Every Five Minutes And Stays For 30 Minutes Each Time. What to do?

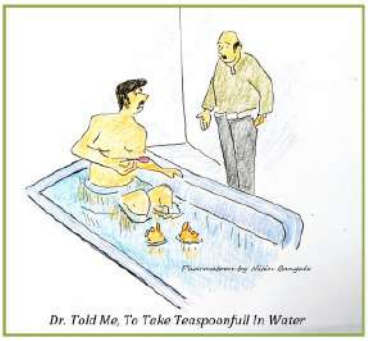

Dr. Told Me, To Take Teaspoonfull In Water